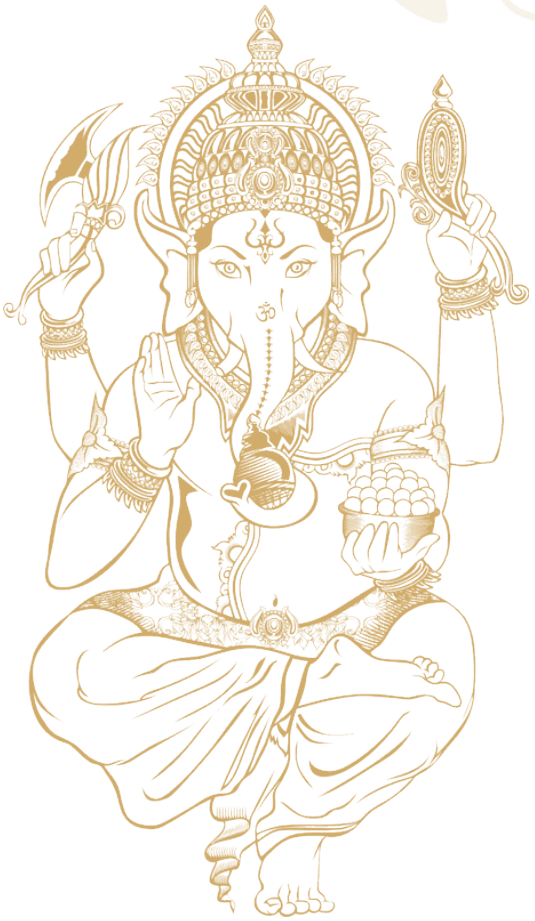

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121826602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1997	जन्म तिथि	08/07/1999
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:20:00	जन्म समय	12:54:00 घंटे
घटी 32:58:08	जन्म समय(घटी)	18:36:48 घटी
India	देश	India
Ambala	स्थान	Delhi
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
76:49:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:44	सूर्योदय	05:29:32
18:24:33	सूर्यास्त	19:22:25
23:49:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:49

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 3वर्ष 6मा 27दि		23:18:28	मीन	लग्न	कन्या	27:15:00	शुक्र 16वर्ष 5मा 3दि	
शुक्र		01:51:20	कन्या	सूर्य	मिथु	21:52:03	चन्द्र	
16/04/2008		27:11:47	मीन	चंद्र	मेष	15:42:59	10/12/2021	
16/04/2028		29:02:07	तुला	मंगल	तुला	07:13:56	10/12/2031	
शुक्र	16/08/2011	14:09:37	सिंह	बुध	कर्क	14:47:23	चन्द्र	10/10/2022
सूर्य	15/08/2012	18:53:56	मक व	गुरु	मेष	07:37:40	मंगल	11/05/2023
चन्द्र	16/04/2014	13:41:08	तुला	शुक्र	सिंह	03:36:59	राहु	09/11/2024
मंगल	16/06/2015	24:43:09	मीन व	शनि	मेष	21:00:43	गुरु	11/03/2026
राहु	16/06/2018	25:55:22	सिंह व	राहु व	कर्क	19:23:37	शनि	11/10/2027
गुरु	14/02/2021	25:55:22	कुंभ व	केतु व	मक	19:23:37	बुध	11/03/2029
शनि	16/04/2024	11:11:05	मक व	हर्ष व	मक	22:06:33	केतु	10/10/2029
बुध	15/02/2027	03:28:13	मक व	नेप व	मक	09:36:33	शुक्र	11/06/2031
केतु	16/04/2028	09:21:55	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:20:09	सूर्य	10/12/2031

लग्न-चलित

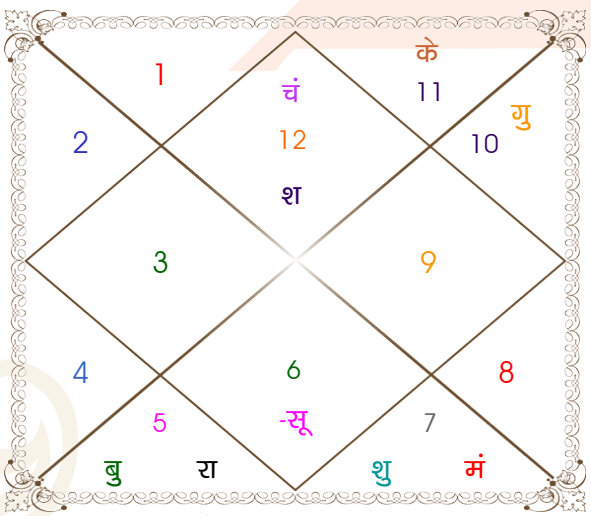

लग्न-चलित

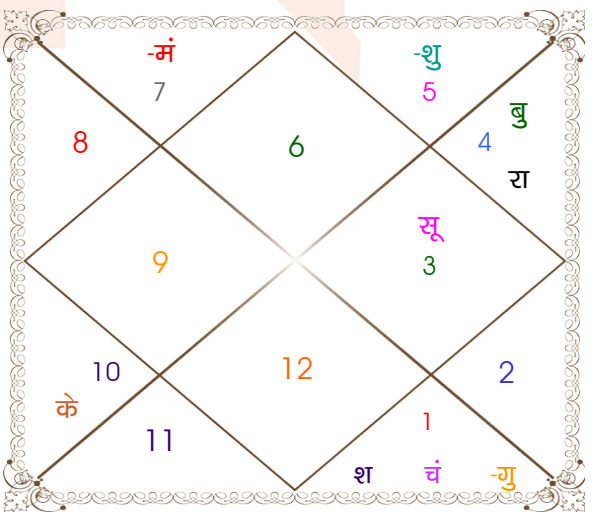

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।